



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3 उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 494] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 3, 1974/अग्रहायण 12, 1896

No. 494] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 3, 1974/AGRAHAYANA 12, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 3rd December 1974

S.O. 689(E).—Whereas the Central Government has, by its notified order in the late Ministry of Industrial Development and Internal Trade, No. S.O. 1027 dated the 6th March, 1971 issued under clause (b), sub-section (1) of section 18-A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised the Board of Management consisting of Sarva Shri R. V. Subramanian, M. Dhar and M. N. Datta to take over the management of the industrial undertaking known as M/s Braithwaite and Company (India) Limited, Calcutta (hereafter in this order referred to as the industrial undertaking) for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18-E of the said Act. and in continuation of the order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 731 (E) dated the 1st December, 1972, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956), shall continue to apply to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said notified order under section 18-A.

SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956

Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking

1

2

Section 81 (3) (b)

The provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking.

[No. 1/12/71-HM-III]

S. M. GHOSH, Jt. Secy.

उद्योग और नागरिक पूति मंत्रालय

(भारी उद्योग विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1974

का०आ० 689(प्र).—यतः केन्द्रीय सरकार ने, भूतपूर्व औद्योगिक विकास और आन्तरिक व्यापार मंत्रालय में उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उप-धारा (i) के खंड (ख) के अधीन जारी किए गए अपने अधिसूचित आदेश सं० का० 1027 द्वारा, सर्वश्रेष्ठ आर० वी० सुब्रह्मण्यन्, एम० धर और एम० एन० दत्त से मिल कर बने प्रबन्ध-बोर्ड को, उसमें विनिर्दिष्ट अश्वघ्न के लिए, मेनस ब्रेथेरेट एंड कंपनी (इंडिया) लिमिटेड, कलकत्ता (जिसे इस आदेश में इसके पश्चात् औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 18क की उप-धारा (2) द्वारा उक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 731 (ई०) तारीख 1 दिसम्बर, 1972 के क्रम में, केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त अनुसूची में उन आवादां निर्बन्धनों और परिसीमाओं को विनिर्दिष्ट करती है, जिसके अधीन कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) औद्योगिक उपक्रम को उक्त प्रकार लागू होता रहेगा, जिन प्रकार वह धारा 18क के अधीन उक्त अधिसूचित आदेश के जारी किए जाने से पूर्व उक्त लागू होता था।

अनुसूची

कम्पनी अधिनियम, 1956 के उपबन्ध अथवा, निर्णय और परिसीमाएं जिनके अधीन स्वयम् (1) में वर्णित उपबन्ध उपक्रम को लागू होंगे।

(1)

(2)

धारा 81(3)(ख)

इस धारा के उपबन्ध औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे।

[सं० 1/12/71-एच० एम०-III]

एस० एम० घोष, संयुक्त सचिव।